Exam. Code: 0007
Sub. Code: 0605

2021
B.A./B.Sc. (Hons.)-3rd Semester
Hindi

Time allowed: 3 Hours | Max. Marks: 90

नोटः– निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दें।

-*-*-*-

1. निम्नलिखित पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या काव्य–सौन्दर्य स्पष्ट करते हुए कीजिएः–

(क) लखते न अघ की ओर थे वे, अघ का लखता था उन्हें,
वे धर्म्म को रखते सदा थे धर्म्म रखता था उन्हें!
वे कर्म्म से ही कर्म्म का थे नाश करना जानते,
करते वही थे वे जिसे कर्त्तव्य थे वे मानते।

अथवा

हम कौन थे क्या हो गये हैं, जान लो इसका पता,
जो थे कभी गुरु है न उनमें शिष्य की भी योग्यता।
जो थे सभी से अग्रगामी, आज पीछे भी नहीं,
है दीखती संसार में विपरीतता ऐसी कहीं?

(ख) जहाँ–तहाँ बुबुक बिलोकि बुबुकारी देत,
जरत निकेतु, धावौ, धावौ, लागी आगि रे।
कहाँ तातु, मातु, भ्रात–भगिनी, भामिनी–भाभी,
ढोटा छोटे छोहरा अभागे भोंडे भागि रे।।
हाथी छोरौ, घोरा छोरौ, महिष–बृषभ छोरौ,
छेटी छोरौ, सावै सो, जगावौ, जागि, जागि रे।
'तुलसी' बिलोकि अकुलानी जातुधानी कहैं,
बार–बार कह्यौं, पिय! कपिसों न लागि रे।

अथवा

पानी! पानी! पानी! सब रानीं अकुलानी कहैं,
जाति हैं परानी, गति जानी गजाचालि है।
बसन बिसारैं, मनिभूषत सँभारत न,
आनन, सुखाने, कहैं, क्योंहू कोऊ पालिहै।।
'तुलसी' मँदोवै मीजि हाथ, धुनि माथ कहै,
काहूँ कान कियो न, मैं कह्यो केतो कालि है।
बापुरें बिभीषन पुकारि बार–बार कह्यो,
बानरु बड़ी बलाइ घने घर घालिहै।।

(12)

P.T.O.

2. निम्नलिखित तीन समीक्षात्मक प्रश्नों के उत्तर सविस्तार एवं उद्धरणसहित दीजिए:–

(क) काव्यकला की दृष्टि से 'सुंदरकाण्ड' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'सुंदरकाण्ड' के प्रतिपाद्य को उदाहरणसहित विवेचित कीजिए।

(ख) 'सुंदरकाण्ड' के नामकरण की सार्थक सिद्ध करते हुए घटनाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'भारतभारती' के रचना के कारणों की विवेचना कीजिए।

(ग) 'भारतभारती' के तीनों खण्ड़ों के उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'भारतभारती' के भाषा–प्रयोग (शिल्प) का विश्लेषण कीजिए। (18+18+18)

3. हिन्दी भाषा का स्वरूप स्पष्ट करते हुए हिन्दी के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। (12)

-*-*-*-